डियान फॉसी
और पहाड़ी गोरिल्ले

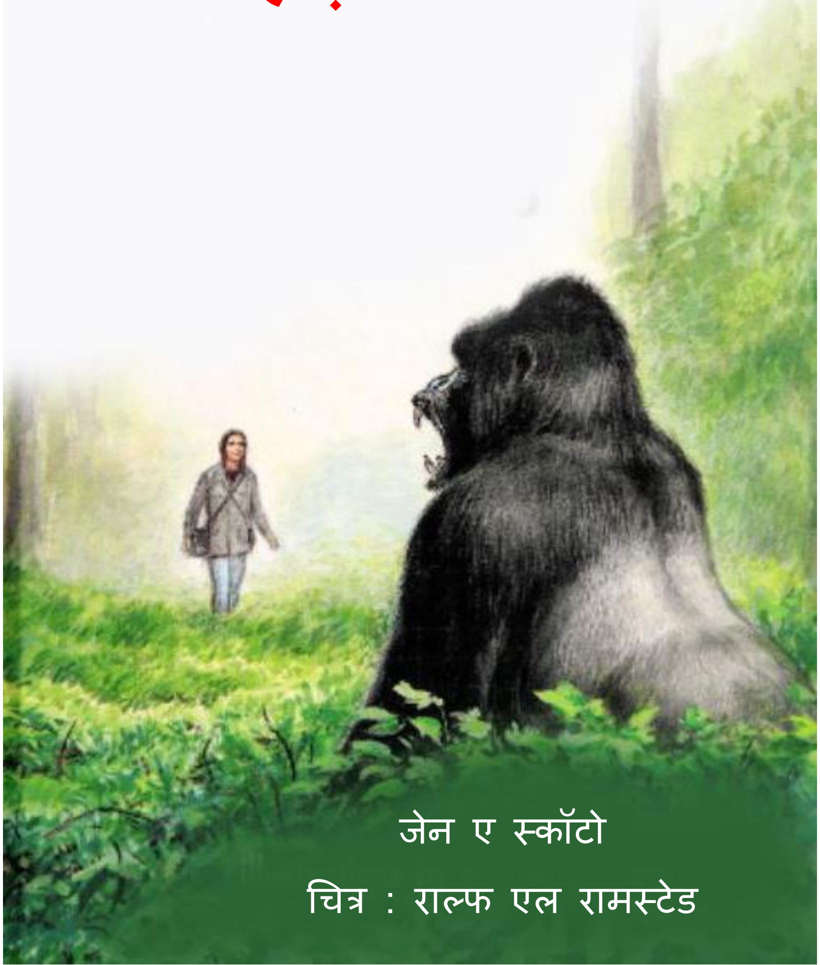

जेन ए स्कॉटो

चित्र : राल्फ एल रामस्टेड

डियान फॉसी
और पहाड़ी गोरिल्ले

जेन ए स्कॉटो

चित्र : राल्फ एल रामस्टेड

लुइसविल, केंटकी 1960

"यह उचित नहीं है," डियान ने सोचा.

“मेरी मित्र मैरी, अफ्रीका एक सफारी पर जा रही है, परन्तु मैं भी वहाँ जाना चाहती थी!"

डियान फॉसी, केंटकी में अपने छोटे से घर के सामने की सीढ़ी पर खड़ी थी.

पक्षी गा रहे थे.

धूप तेज चमक रही थी.

लेकिन 28 वर्षीय डियान को धूप नहीं लग रही थी.

उसने अभी-अभी अपनी सहेली मैरी से बात की थी.

और मैरी की खबर ने डियान को खुश नहीं किया था.

डियान सीढ़ियों से कूदी.

वो हरे-भरे खेतों से बाहर निकलकर तेज़ी से दौड़ने लगी. वो तब तक दौड़ी जब तक उसकी सांस फूलने नहीं लगी.

फिर वो लंबी घास में गिर पड़ी.

उसके तीन कुत्ते उसके पीछे-पीछे दौड़े.

उन्होंने डियान के चेहरे और हाथों को तब तक चाटा जब तक वो बैठ कर हँसने नहीं लगी.

डियान को याद आया कि जब वो छोटी बच्ची थी तो वो कितनी अकेली थी.

उसकी माँ और सौतेले पिता ने, उसे कोई पालतू जानवर तक नहीं रखने दिया था.

"कम-से-कम मेरे पास अब पालतू जानवर तो हैं," उसने सोचा.

डियान ने अपने आस-पास के कुत्तों की दोस्त निगाहों में झाँका.

वो सच में जानवरों से प्यार करती थी. शायद लोगों से ज्यादा.

यह बहुत बुरा था कि उसकी मित्र मैरी, उसके बिना अफ्रीका जा रही थी.

डियान अफ्रीका के सभी जंगली जानवरों को देखने का अक्सर सपना देखती थी.

लेकिन अफ्रीका जाने में काफी पैसे खर्च होते.

डियान ने पैसे बचाने का फैसला किया ताकि वो कुछ सालों में वहां जा सके.

डियान ने अफ्रीका के बारे में किताबें पढ़ना शुरू कीं.

एक किताब में उसने पहाड़ी गोरिल्लों के बारे में पढ़ा.

अब वहां केवल 300 पर्वतीय गोरिल्ले ही बचे थे.

वे अफ्रीका में एक छोटे से स्थान पर रहते थे.

शिकारियों के जालों से वे बुरी तरह आहत हुए थे.

कभी-कभी गोरिल्ले इतनी बुरी तरह घायल हो जाते, कि उनकी मृत्यु भी हो जाती थी.

कभी-कभी शिकारी अपने भालों से गोरिल्लों को मार देते थे.

क्या पर्वतीय गोरिल्ले जल्द ही हमेशा के लिए लुप्त हो जाएंगे?

डियान ऐसा कभी सोच भी नहीं सकती थी.

वो उनके बारे में और जानना चाहती थी.

जब वो अफ्रीका गई तो उसने पहाड़ी गोरिल्लों को देखने का फैसला किया.

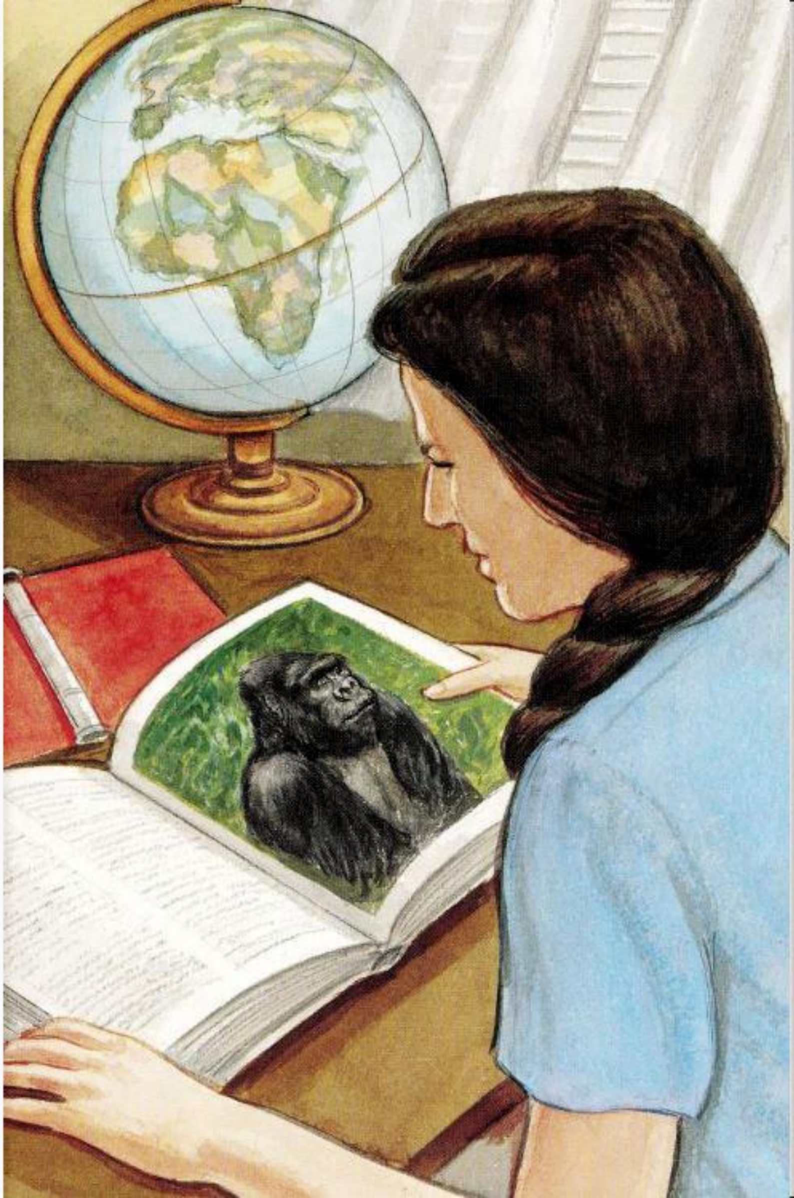

विरुंगा पर्वत रवांडा, अफ्रीका 1967

जैसे ही डियान ने घास का मैदान देखा, उसका दिल खुश हो गया.

अफ्रीका में पहाड़ों पर चढ़ना बहुत कठिन था.

डियान को लगा जैसे उसके फेफड़े फट जाएंगे.

उसके पैर थक गए थे और उनमें दर्द हो रहा था.

लेकिन आखिर में उसे अपना कैंप बनाने के लिए एक बढ़िया जगह मिल गई.

डियान ने अपना भारी पैक नीचे रख दिया.

उसे एक छोटी सी पानी की धारा मिली. उसने अपने हाथों और चेहरे पर ठंडे पानी के छींटे मारे.

कैंप के चारों ओर उसे पहाड़ दिखाई दे रहे थे.

जब वो एक तरफ मुड़ी तो उसने करिसिंबी पर्वत को देखा.

जब वो दूसरी ओर मुड़ी तो उसने विसोक पर्वत को देखा.

फिर उसने दोनों पहाड़ों के नाम, एक साथ मिला दिए - करिसोक.

वो उन्हें इसी नाम से बुलाएगी.

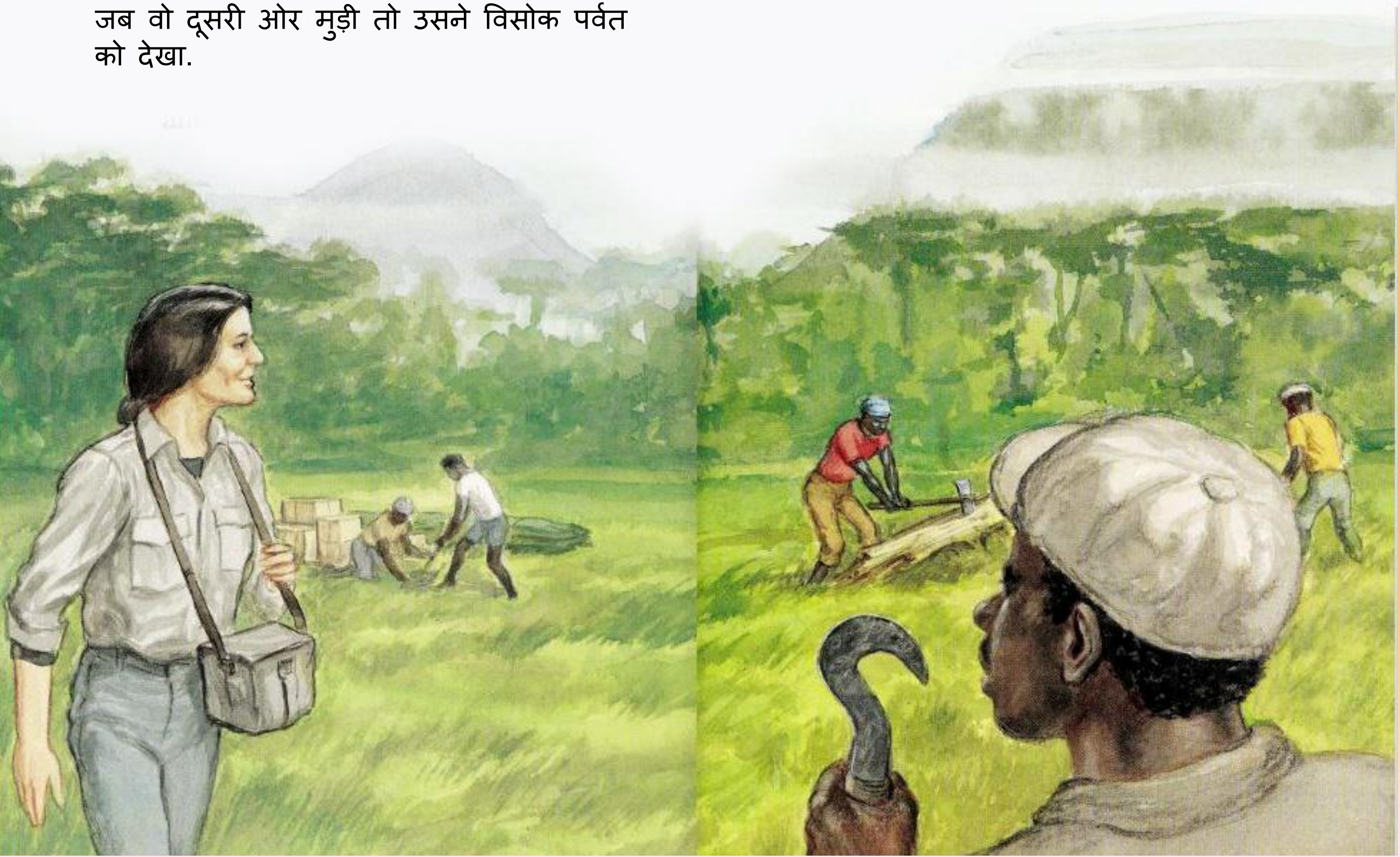

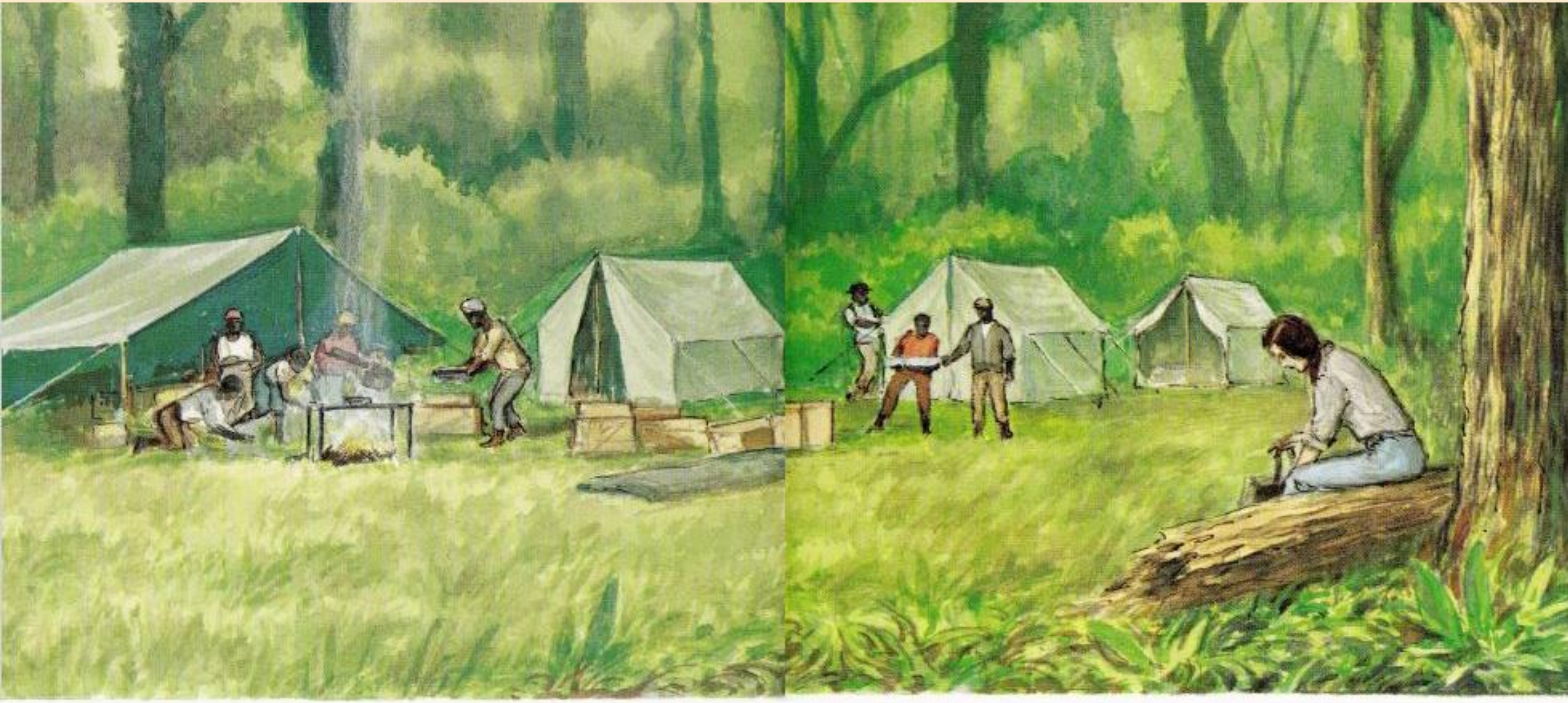

जिन लोगों ने उसका सामान ढोने जाने में मदद की, उन्होंने ही कैंप लगाया.

उन्होंने सोने के लिए तम्बू गाढ़े.

उन्होंने आग जलाने के लिए लकड़ी इकट्ठी की.

जल्द ही वे खाने के सीलबंद डिब्बे खोल रहे थे.

फिर खाना पकाने की महक से कैंप भर गया.

डियान एक गिरे हुए पेड़ के तने पर बैठ गई.

वो थकी और भूखी थी, लेकिन वो खुश थी.

करिसोक उसका नया घर था.

वो वहां पर्वतीय गोरिल्लों का अध्ययन करने आई थी.

डियान, घास के मैदान से दूर स्थित पेड़ों को देखती रही.

पेड़ों के पत्तों ने एक मोटा पर्दा बनाया था.

इस वजह से वो वहाँ रहने वाले पर्वतीय गोरिल्लों को देख नहीं सकती थी.

लेकिन वो उनकी तलाश के लिए अब और इंतजार नहीं करेगी.

वो अगले दिन से अपना काम शुरू करेगी.

वो गोरिल्लों को जो कुछ करते देखती, वो उसे लिखती थी.

वो उनकी तस्वीरें भी खींचती थी.

वो उनकी आवाज़ों की टेप रिकॉर्डिंग भी करती थी.

चूंकि केवल 300 गोरिल्ले ही बचे थे, डियान उन्हें सुरक्षित रखने में मदद करना चाहता थी.

गोरिल्ले

डियान जंगल की पगडंडी पर चल रही थी.

वो वहां पहले भी कई बार, गोरिल्लों को देखने के लिए आ चुकी थी.

उसने बड़े ध्यान से गीली पत्तियों पर कदम रखा.

उसके बड़े जूतों के लिए चुप रहना मुश्किल था.

लेकिन जूते उसके पैरों को, गर्म और सूखा रखते थे.

बारिश से अपने कपड़ों से बचाने के लिए डियान एक प्लास्टिक का “पोंचो” पहने थी.

फिर भी, उसे ठंड लग रही थी और वो नम थी.

दूरबीन उसके गले से लटकी हुई थी.

जेब में उसकी नोटबुक और कलम रखी थी.

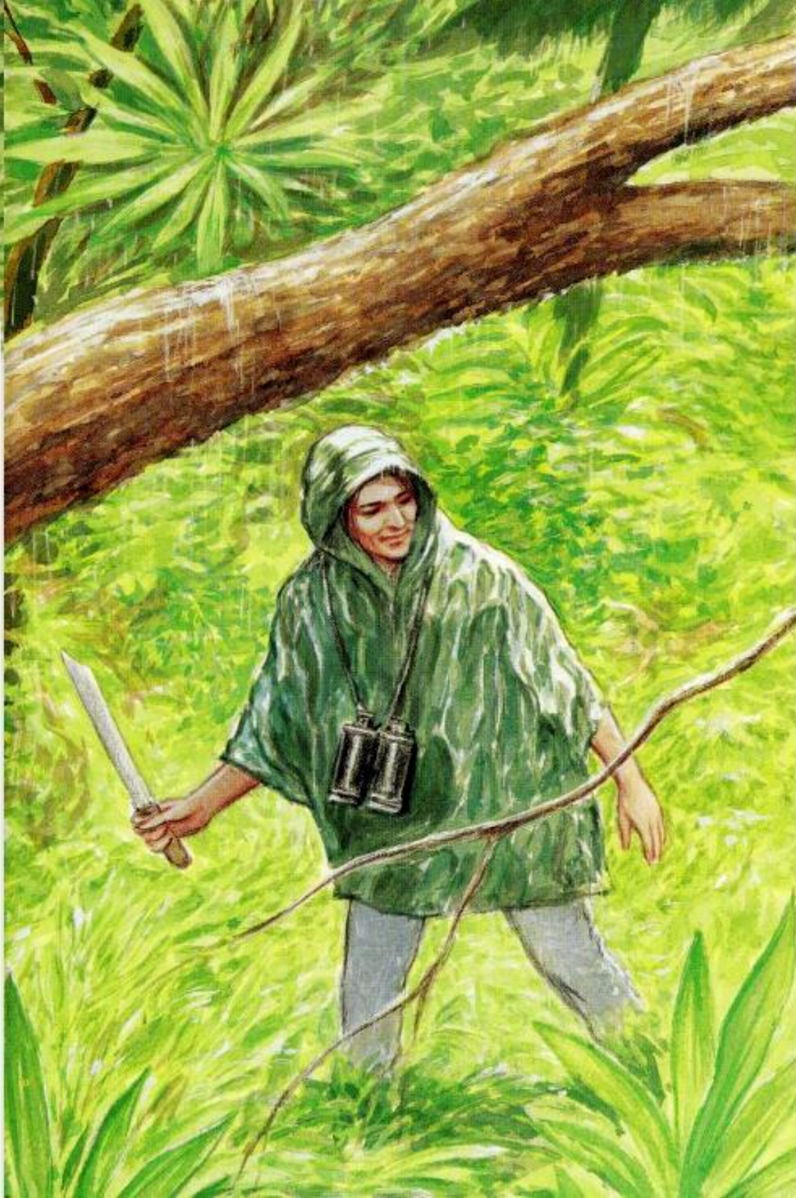

डियान ने एक गिरने की आवाज सुनी.

उसने चलना बंद कर दिया और एकदम शांत हो गई.

फिर शोर बंद हो गया.

अब वो सिर्फ पेड़ों से बारिश टपकने की आवाज़ सुन पा रही थी.

डियान इंतजार करती रही.

वो जानती थी कि वो शोर गोरिल्लों ने ही किया होगा.

वे खाने की तलाश में पेड़ों के बीच से गुजर रहे होंगे.

डियान उनके बहुत करीब जाकर उन्हें डराना नहीं चाहती थी.

अचानक, गिरने का शोर फिर से हुआ.

अब डियान ने अपने बड़े चाकू का इस्तेमाल किया.

उसने घने पौधों को काटकर बीच में चलने की जगह बनाई.

वो गोरिल्लों के साथ-साथ चलना चाहती थी.

एक बार जब वे अपना खाना खत्म कर लेते, तब गोरिल्ले आगे बढ़ जाते.

उसने ध्यान से कुछ कदम उठाए.

वे वहाँ थे.

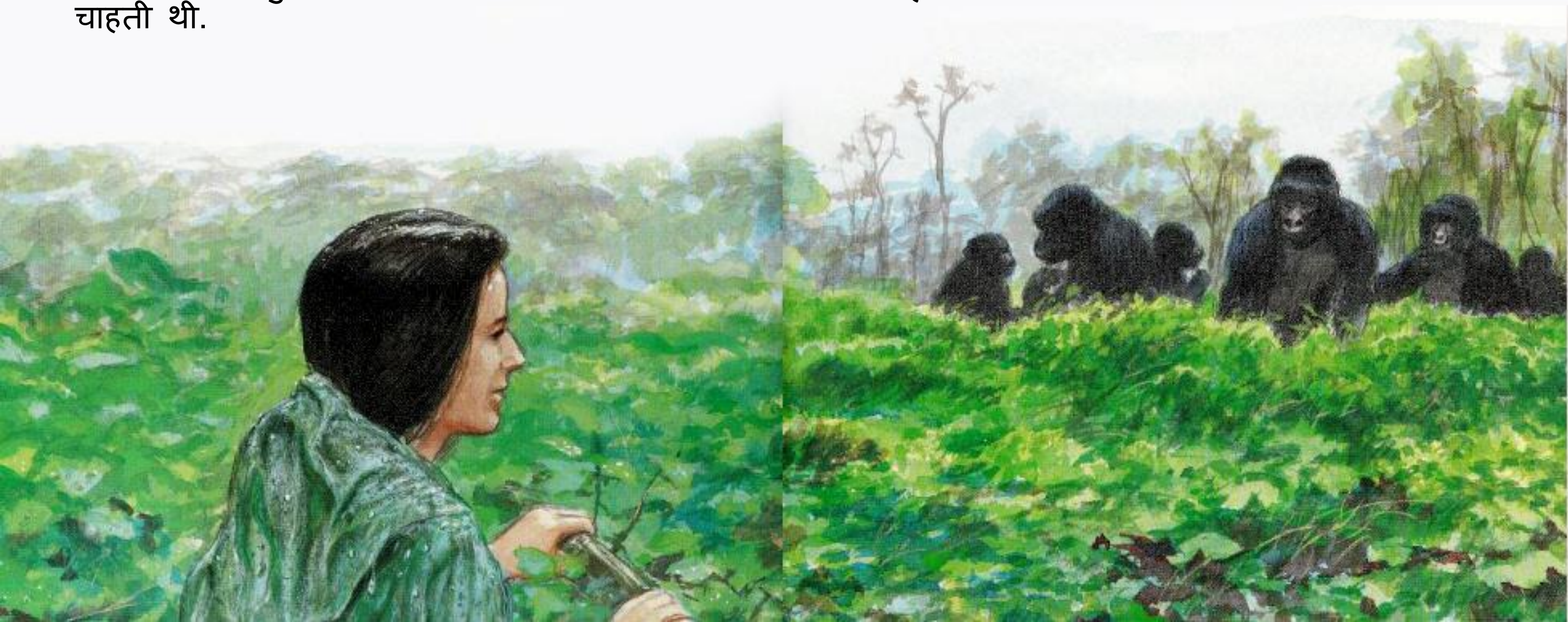

एक बड़े पेड़ के नीचे गोरिल्लों का एक परिवार खड़ा था.

वे पत्ते खा रहे थे.

बारिश में उनके लंबे, काले बाल और चमकदार हो गए थे.

कुछ गोरिल्लों ने पत्तियों को तोड़ने के लिए अपने हाथ ऊपर किए.

कुछ अन्य ने अपने पैरों और हाथों के बल पेड़ के चारों ओर चक्कर लगाया.

सभी के चेहरे अलग-अलग थे.

हर चेहरे को याद रखने के लिए डियान ने गोरिल्लों को नाम दिए थे.

पेड़ के नीचे एक बड़ा नर गोरिल्ला बैठा था.

वो डियान से बहुत बड़ा था.

उसका नाम बीथोवेन था.

एफी और मार्चेसा अपने बच्चों के साथ उसके पास ही बैठे थे.

पास में इकारस और पाइपर खेल रहे थे.

जैसे ही डियान देखने बैठी, एक टहनी टूट गई.

बीथोवेन कूदा.

उसने डियान को देखा.

उसके विशाल सिर के बाल खड़े हो गए.

फिर उसने अपना सीना पीटना शुरू कर दिया.

पोका, पोका, पोक!

"हूट, हूट, हूट!" वो चिल्लाया.

अन्य गोरिल्ले भी कूदने लगे.

लेकिन डियान उनसे डरी नहीं.

उसे पता था कि बीथोवेन केवल उसे
डराने की कोशिश कर रहा था.

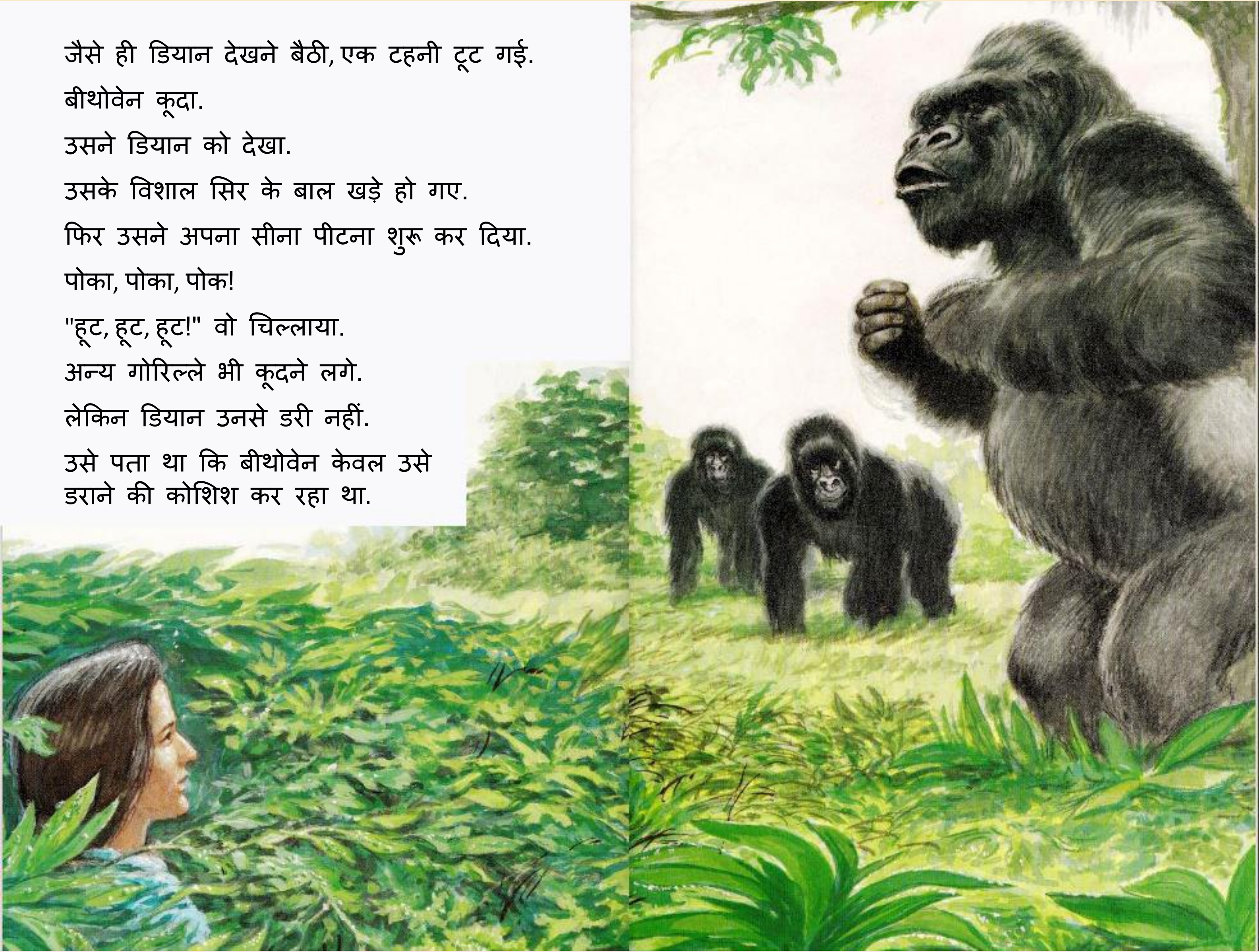

धीरे-धीरे, डियान ने एक पत्ता उठाया और उसे खाने का नाटक किया.

बीथोवेन उसे देखता रहा.

कुछ देर बाद वो फिर से खाने लगा.

जल्द ही सभी गोरिल्ले पत्तियां खा रहे थे.

डियान समझ गई थी कि वो जानवर आमतौर पर शर्मीले और शांत स्वभाव के होते थे.

गोरिल्ले, लोगों पर तब तक हमला नहीं करते हैं, जब तक उन्हें कोई धमकी नहीं देता है.

गोरिल्लों के परिवार, समूहों में रहते हैं.

वे पत्ते खाते हैं, जानवरों या लोगों को नहीं.

डियान ने अपनी नोटबुक और कलम अपनी जेब से निकाली.

उसने वो सब कुछ लिखा जो उसने गोरिल्लों को करते हुए देखा था.

उस रात, डियान बहुत देर तक जागी रही.

उसकी छोटी सी झोंपड़ी के अंदर, लालटेन ने अंधेरी रात में एक चमक पैदा की थी.

डियान के पास कोई बिजली की रोशनी, बाथरूम या टेलीविजन नहीं था.

वो उन चीज़ों को नहीं चाहती थी.

उसके गीले कपड़े एक छोटे से तेल के हीटर पर लटके थे.

उसका कुत्ता, सिंडी, उसके पैरों के पास लेटा हुआ था.

उसका पालतू बंदर, किमा, उसके टाइपराइटर के पास टेबल पर बैठा था.

टैप टैप टैप टैप टैप ...

डियान ने जंगल में जो कुछ भी लिखा था, उसने वो सब कुछ टाइप कर डाला.

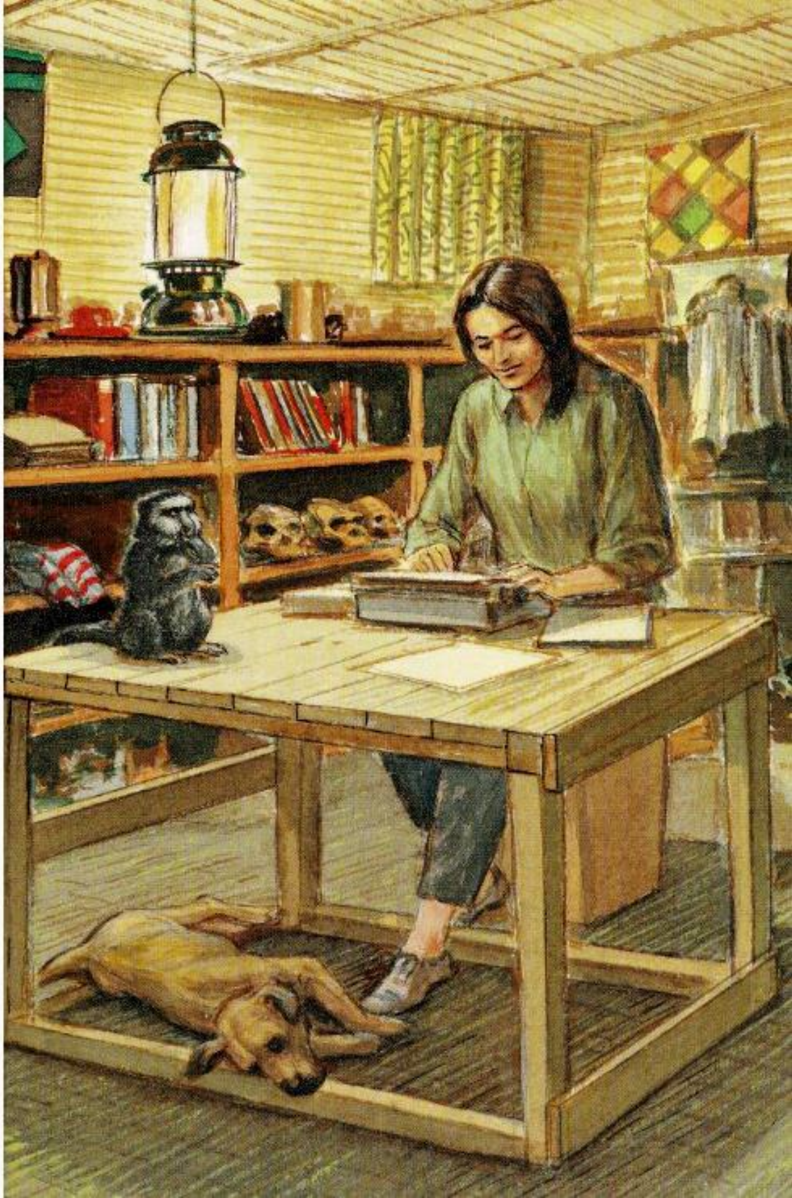

यह काम उसके अपने पूरे जीवन में अब तक का सबसे कठिन काम था.

उसके हाथ और चेहरे पर खरोंचें आई थीं.

उसके पैर की मांसपेशियां दर्द कर रही थीं.

उसका टखना एक बेल से खिंच गया था और दर्द कर रहा था.

लेकिन डियान को उससे कोई फर्क नहीं पड़ा.

वो करिसोक में खुश थी.

डिजिट

एक दिन, डियान एक पेड़ के पीछे खड़ी थी.

अपनी दूरबीन से वो एक गोरिल्ले परिवार को देख रही थी.

एक जवान गोरिल्ला पत्तों के बीच खेल रहा था.

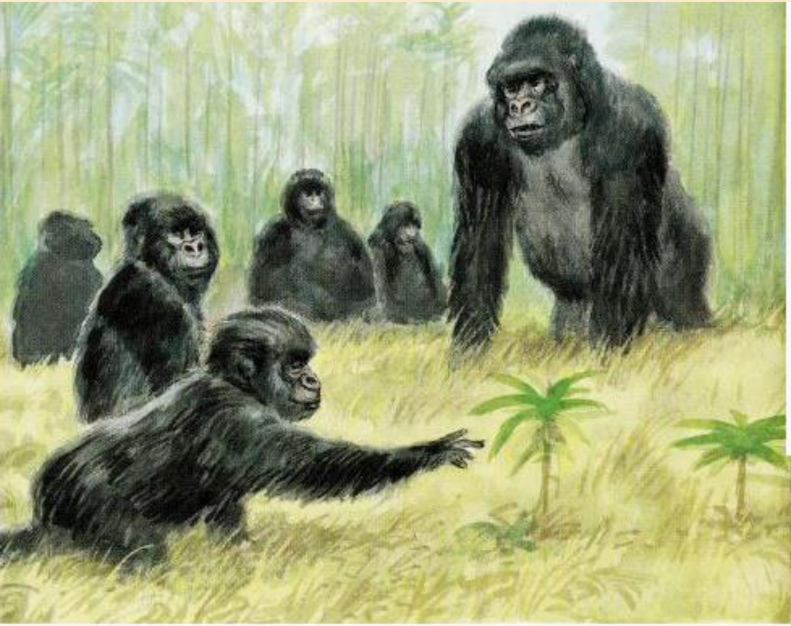

उसके बाद, जब भी डियान जंगल में जाती वो डिजिट की तलाश करती.

वो अक्सर उसे अकेले खेलते हुए देखती थी.

उस परिवार में डिजिट की उम्र का कोई और गोरिल्ला नहीं था.

जल्द ही डिजिट ने भी डियान को देखना शुरू कर दिया.

ऐसा लग रहा था कि वो डियान की यात्राओं का आनंद ले रहा था.

इस युवा गोरिल्ले की बीच वाली अंगुली मुड़ी हुई थी.

शायद वो कभी टूट गई होगी.

डियान ने उसका नाम डिजिट रखा.

तभी एक बड़े नर गोरिल्ला ने डियान को देखा.

"हूट, हूट!" वो चिल्लाया.

फिर सभी गोरिल्ले जल्दी से वहां से भाग गए.

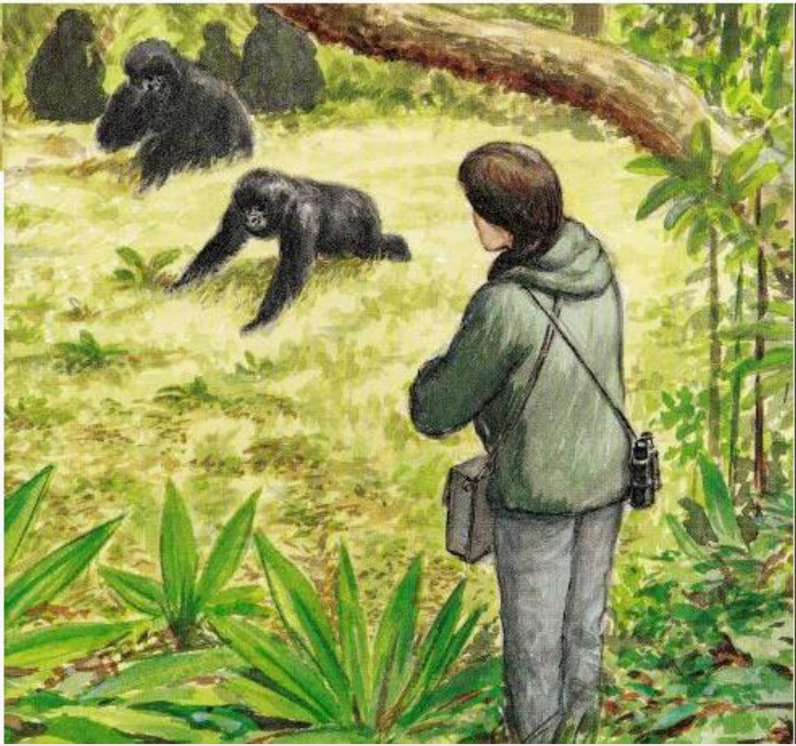

एक दिन डियान अपने साथ एक आईना ले गई.

उसने आईने को जंगल में एक ऐसी जगह रखा जहां डिजिट उसे ढूंढ लेता.

फिर आगे क्या होता है वो देखने के लिए छिप गई.

डिजिट ने दर्पण देखा.

वो लेट गया और अपने आप को आईने में देखा, उसने अपने होठों को एक साथ दबाया.

फिर उसने अपना सिर अगल-बगल घुमाया.

"वो क्या सोच रहा होगा?" डियान ने सोचा.

जैसे-जैसे डिजिट बड़ा होता गया, उसकी डियान में दिलचस्पी कम होती गई.

डिजिट अपने परिवार का नेता बन गया.

लेकिन वो अभी भी डियान के लिए बहुत खास था.

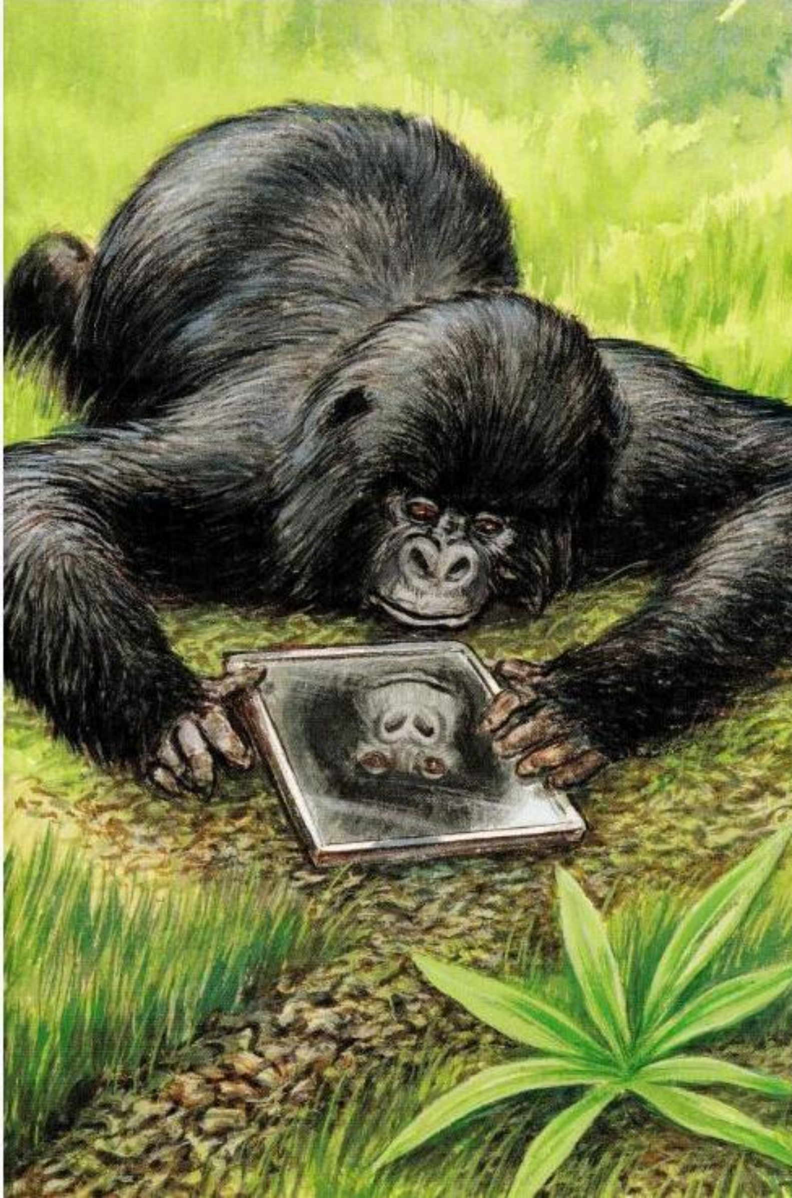

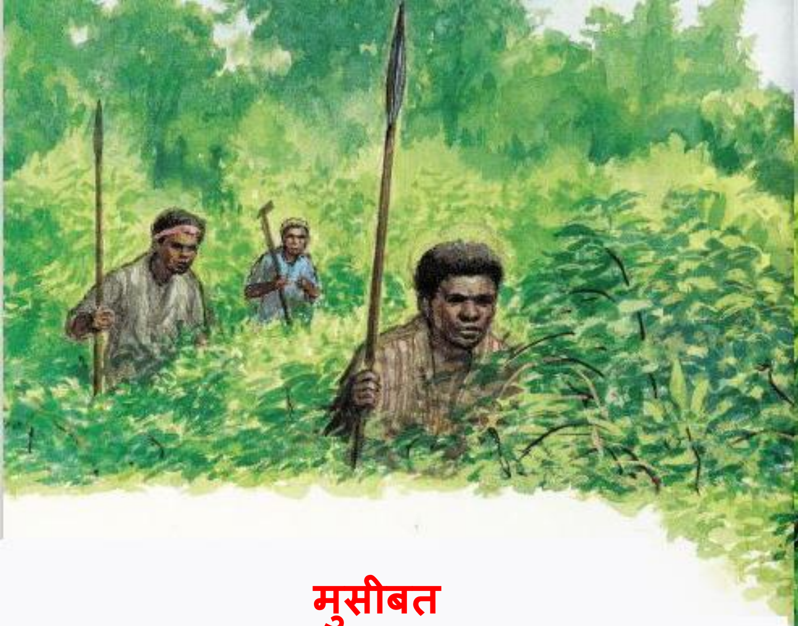

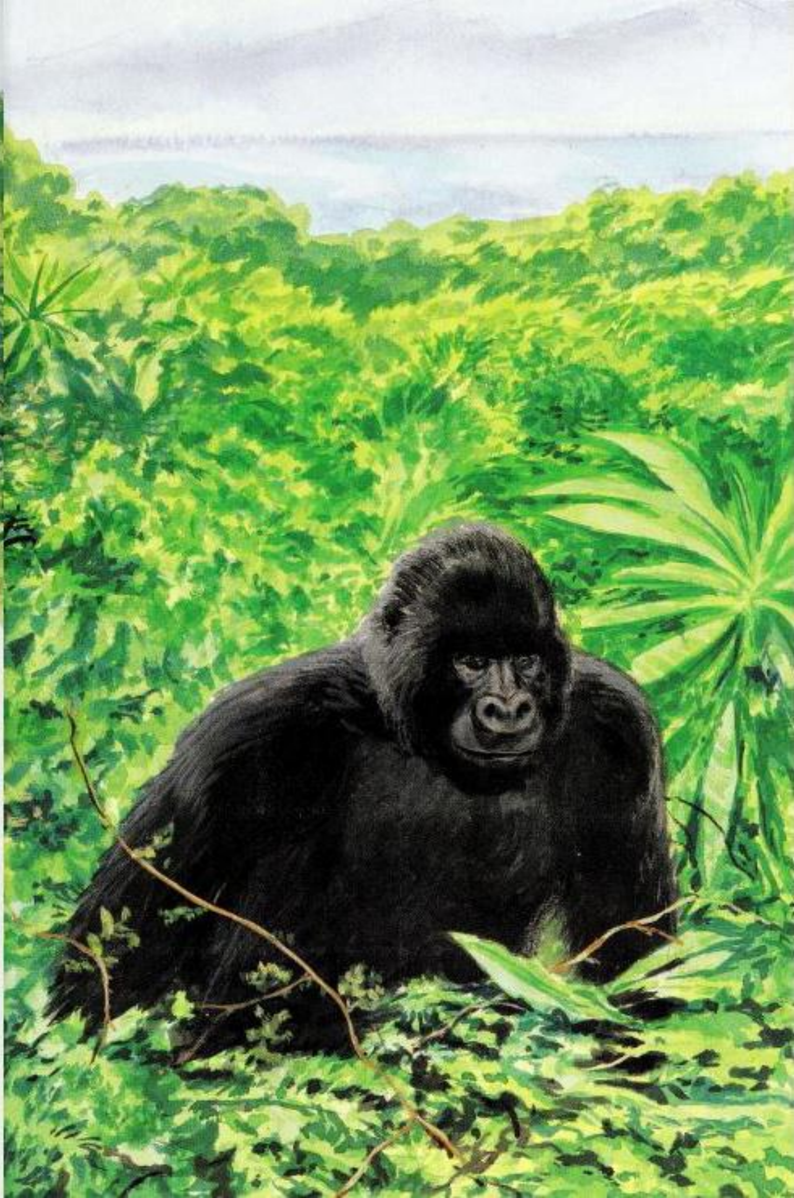

मुसीबत

रवांडा एक छोटा सा देश था जिसमें बहुत सारे लोग थे और बहुत कम भोजन था.

जब लोग भूखे होते तब, शिकारी जंगलों में जानवरों को मार डालते थे.

वैसे शिकारियों को, जंगल में गोरिल्लों का शिकार करने की अनुमति नहीं थी.

लेकिन कभी-कभी वे गोरिल्लों का शिकार भी करते थे.

एक दिन, डियान के लिए काम करने वाले लोगों ने उसे बताया कि शिकारी वहीं पास में ही थे.

डियान को डर था कि कहीं वो गोरिल्लों को चोट न पहुंचाएं.

डियान, डिजिट और उसके परिवार की तलाश करने लगी.

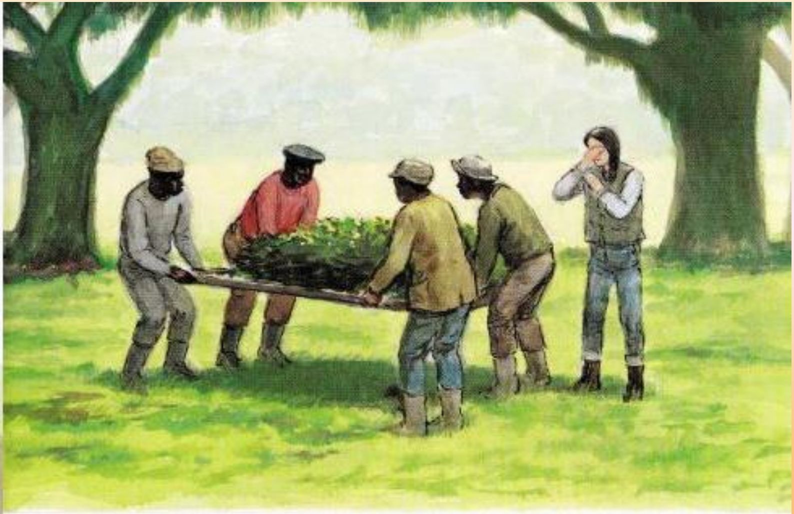

अगले दिन, डियान और उसके आदमियों को, डिजिट मिला.

डिजिट ने अपने परिवार को शिकारियों से बचाने की कोशिश की थी.

पर उसमें डिजिट मारा गया था.

डियान बहुत देर तक रोती रही.

वो डिजिट को 10 साल से जानती थी.

डिजिट उसका दोस्त था.

लोगों ने डिजिट को करिसोक में दफनाने में डियान की मदद की.

डियान उदास थी, लेकिन वो गुस्से में भी थी.

जंगल में गोरिल्लों की रक्षा की जानी चाहिए थी.

किसी शिकारी को जंगल में अंदर घुसने की इज़ाज़त नहीं होनी चाहिए.

लेकिन शिकारियों को बाहर रखने के लिए वहां पर पर्याप्त संख्या में गार्ड नहीं थे.

"मुझे खुद कुछ करना होगा," डियान ने सोचा.

वो गोरिल्लों की मदद के लिए लोगों से पैसे मांगेगी.

उन पैसे का इस्तेमाल वो अधिक गार्डों के भुगतान के लिए करेगी.

डियान ने अपनी योजना का नाम "डिजिट फंड" रखा.

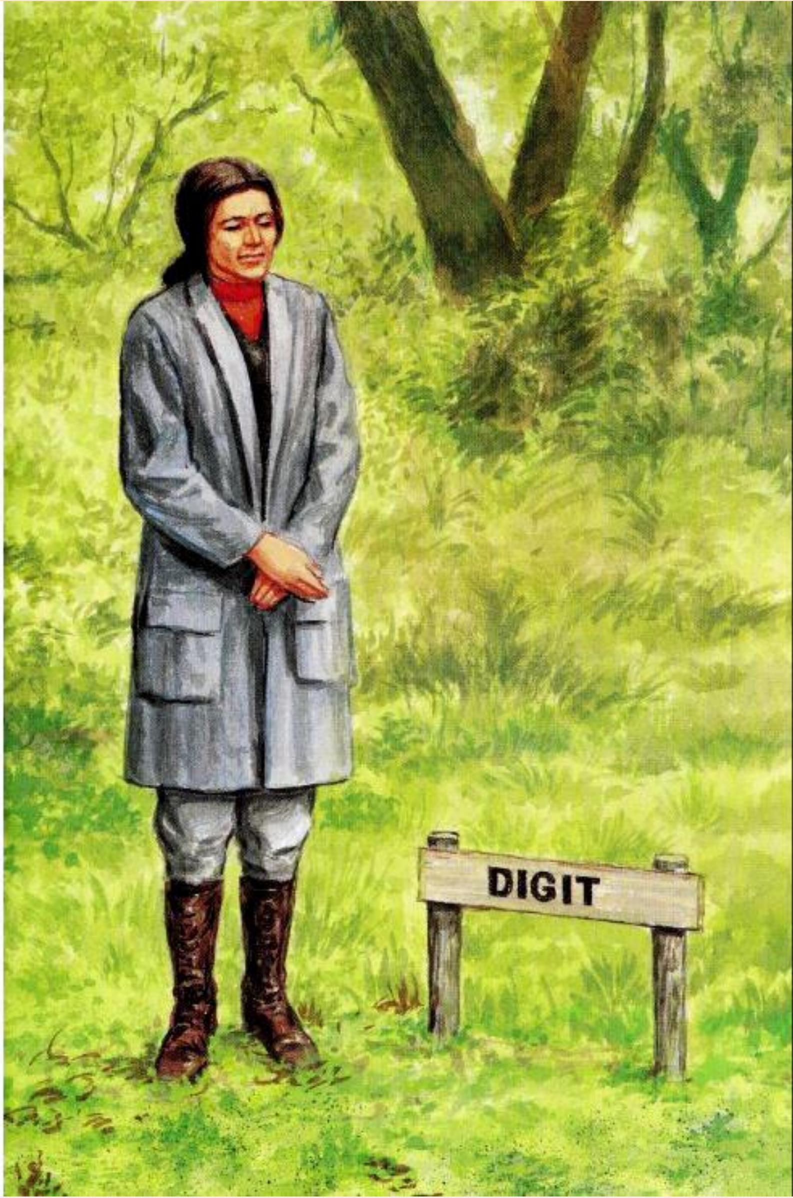

डिजिट के चित्र टेलीविजन पर दिखाए गए.

एक न्यूज़कास्टर ने डिजिट की कहानी सुनाई.

कुछ लोगों ने गोरिल्लों की मदद के लिए पैसे भी भेजे.

लेकिन कम पैसे, उतने गार्ड रखने के लिए पर्याप्त नहीं थे.

और फिर प्रतिदिन और अधिक शिकारी जंगल में आने लगे.

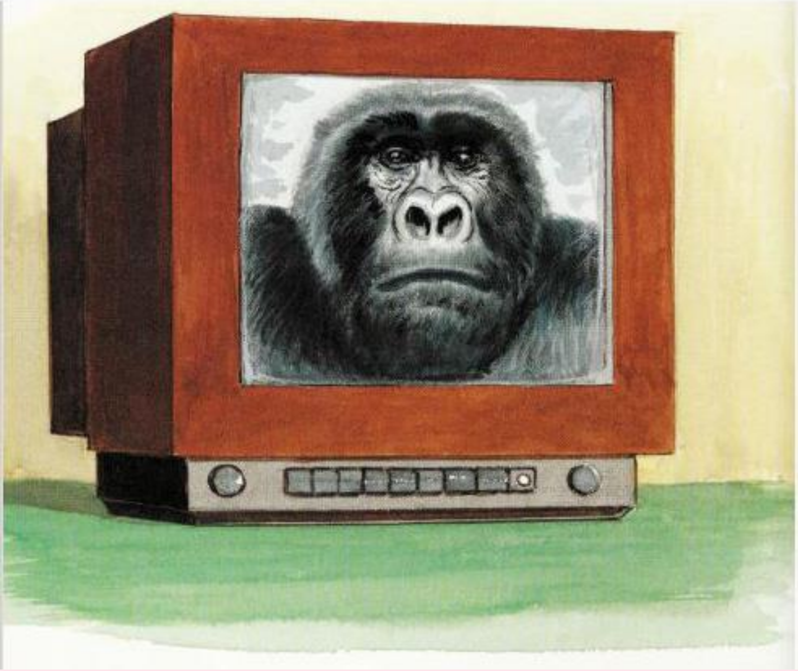

डियान जानती थी कि उसे कुछ और करना होगा.

उसने समाचार पत्रों और पत्रिकाओं में गोरिल्लों के बारे में लिखा.

फिर उन्होंने "गोरिल्लाज़ इन द मिस्ट" नाम की एक किताब लिखी.

डियान चाहती थी कि हर कोई गोरिल्लों के बारे में जाने.

एक बार जब लोग गोरिल्लों की समस्याओं के बारे जानेंगे, तो फिर वो उन्हें बचाने में भी मदद करेंगे.

डियान इसके बारे में निश्चित थी.

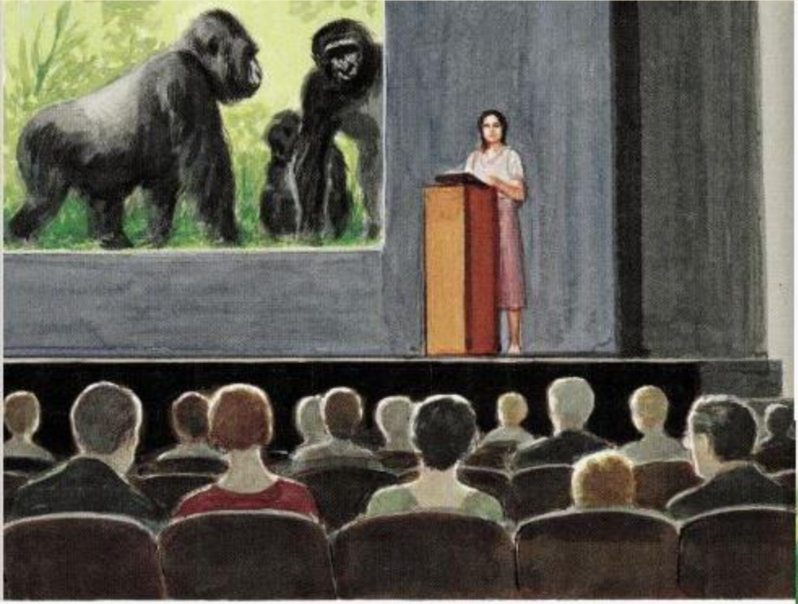

जब डियान वापस करिसोक गई, तो कॉलेज के छात्र उसकी मदद के लिए आए.

उन्होंने गोरिल्लों का भी अध्ययन किया.

शिकारियों को पार्क से बाहर रखने के लिए डियान ने रवांडा के लोगों को ट्रेनिंग दी.

उन्होंने शिकारियों के जाल ढूंढे और उन्हें तोड़ डाला.

डियान ने पूरी दुनिया की यात्रा की.

उसने लोगों को शिकारियों के बारे में बताया.

यदि हत्यायें जल्द नहीं रुकीं तो कोई भी पहाड़ी गोरिल्ला ज़िंदा नहीं बचेगा.

डियान ने पक्का मन बना लिया था कि रवांडा के पहाड़ी गोरिल्लों को, हमेशा ज़िंदा रहना ही चाहिए.

लोगों ने डियान की बात सुनी.

लोग उसकी मदद करना चाहते थे.

दुनिया भर में लोग डियान की किताब पढ़ रहे थे.

रवांडा के लोगों को भी अब अपने गोरिल्लों पर गर्व हो रहा था.

18 साल तक डियान फॉसी ने, पर्वतीय गोरिल्लों को बचाने का काम किया था.

उसे विश्वास था कि आखिर में गोरिल्लों को जीवित रहने का मौका मिलेगा.

अंत के शब्द

डियान फॉसी ने 1985 तक, पर्वतीय गोरिल्लों के साथ अपना काम जारी रखा. फिर, दिसंबर के अंत में, डियान फॉसी को मार डाला गया. वो 53 साल की थीं. कुछ लोग सोचते हैं कि गोरिल्लों का शिकार करने आए किसी शिकारी ने उन्हें मार डाला. लेकिन उनके कातिल का कभी पता नहीं चला. तीन दिनों बाद, डियान को उनके दोस्त डिजिट की कब्र के पास, करिसोक में ही दफनाया दिया गया.

करिसोक में अपने 18 वर्षों के दौरान, डियान ने पर्वतीय गोरिल्लों के बारे में जितना अधिक सीखा, गोरिल्लों के बारे में पहले उतना कोई भी नहीं जानता था. और डियान ने जो भी सीखा उसे उसने लोगों के साथ साझा किया. उनकी किताब "गोरिल्लाज़ इन द मिस्ट" को हज़ारों लोगों ने पढ़ा.

वैज्ञानिक अभी भी करिसोक में गोरिल्लों का अध्ययन करते हैं. गार्ड, शिकारियों को गोरिल्लों के जंगल से दूर रखते हैं. गोरिल्लों को देखने के लिए, कई देशों के लोग रवांडा के जंगल में जाते हैं. और दुनिया भर के लोग यह भी जानते हैं कि डियान फॉसी के बिना, पर्वतीय गोरिल्ले हमेशा के लिए लुप्त हो गए होते.

महत्वपूर्ण तिथियाँ

1932 16 जनवरी को, डियान का जन्म सैन फ्रांसिस्को, कैलिफोर्निया में हुआ.

1935- डियान के माता-पिता का तलाक हो गया.

1937- डियान की मां ने दोबारा शादी की.

1954- डियान ने कॉलेज से स्नातक की डिग्री प्राप्त की और केंटकी में नौकरी की.

1963 - डियान पहली बार अफ्रीका गईं और वैज्ञानिक डॉ. लुई लीकी से मिलीं, जिन्होंने आदिम मानव के अवशेषों के विशेषज्ञ थे.

1966- डियान पर्वतीय गोरिल्लों अध्ययन शुरू करने के लिए अफ्रीका लौटीं.

1967- डियान ने रवांडा में करिसोक अनुसंधान केंद्र की स्थापना की.

1974- डियान ने कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय से डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की.

1983- डियान की किताब, "गोरिल्लास इन द मिस्ट", प्रकाशित हुई.

1985- डियान की करिसोक में किसी ने हत्या कर दी.